मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक

जनवरी - 2021
वर्ष 8, अंक 10, पृ.सं. 20

अपना घर

नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''

के निर्माण हेतु योगदान योजना

जब किसी काम को करने में बहुत से हाथ जुड़ जाते हैं तो वो काम आसान तो होता ही है साथ में पवित्र भी हो जाता है। एक पावन कार्य के स्वरूप में तारा संस्थान **''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''** का निर्माण करने जा रहा है और इसमें आप सबका सहयोग भी मिले तो बेहद खुशी होगी। आपके दान को स्मृति स्वरूप भवन पर आपके नाम या आपकी इच्छानुसार किन्हीं परिजनों के नाम के रूप में अंकित किया जाएगा। आशा है कि छोटी सी ही सही एक आहूति आपकी भी इस भवन के लिए होगी।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण सहयोगी ''दधीचि''	रु. 1,00,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''कर्ण''	रु. 51,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''भामाशाह''	रु. 21,000/-

जीवन में बहुत सी महत्त्वपूर्ण चीजों को हम तब पहचानते हैं, जब उन्हें खो देते हैं।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती दीपा - श्री ओमप्रकाश मल्होत्रा
समाजसेवी, फरीदाबाद

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री ओ.सी. जैन
समाजसेवी, रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' के निर्माण हेतु योगदान योजना	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 किराने का सामान... पास की दुकान	04
लेख : 2 शुभागमन नये दशक का	05
अपना घर	06-08
राजकीय वृद्धाश्रम, उदयपुर के नए आवासी	09
ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम निर्माण की प्रगति रिपोर्ट	10
तारा नेत्रालय / गौरी योजना	11
तृप्ति योजना	12
परम श्रद्धेय श्री (डॉ.) जे.पी. शर्मा सा. का तारा संस्थान, उदयपुर में आगमन	13
हमारे भामाशाह	14
न्यूज ब्रीफ	15-16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स	17
धन्यवाद / हार्दिक श्रद्धांजलि	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

किराने का सामान... पास की दुकान

उदयपुर में फतेहसागर एक रमणीय स्थल है जहाँ कई पर्यटक और स्थानीय लोग आते हैं। फतेहसागर की पाल पर शाम को बैठना बहुत ही सुकून भरा होता है। ऐसे ही एक दिन रविवार को मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ बैठी थी। पाल पर बहुत से रेहड़ी वाले घूम रहे थे कोई चना जोर गरम, कोई गुड़िया के बाल, कोई पॉप कॉर्नक, कोई गुब्बारे आदि लेकिन लेनदार बहुत ही कम थे। अभी कोरोना के कारण वैसे ही पर्यटक कम और फिर लोग बाहर ही चीजों को खाने में भी सोचते हैं। मैं भी, बस बैठ कर झील का आनन्द ले रही थी। मेरे पास की बैंच पर एक युवा जोड़ा बैठा था उन्होंने गुब्बारे वाले से एक खिलौना लिया मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ कि उनके साथ साथ कोई बच्चा तो है नहीं फिर किसके लिए? सोचा कि शायद घर में कोई बच्चा होगा और कोरोना के कारण लाए नहीं होंगे। थोड़ी दर बाद मैंने देखा कि उन्होंने कोई 10 पैकेट गुड़िया के बाल (Sugar Candy) लिए अब तो बात समझ के परे थी। कौतुहल तो बहुत था पर पूछना Awkward हो जाता कि भाई इतना सब किसके लिए, पूछा तो नहीं पर मेरी निगाहें उन्हीं पर टिकी रहीं। जब मन में कुछ सवाल हो तो उनका जवाब न मिले तब तक उथल पुथल तो रहती ही है। सो जितनी देर वो थे मैं भी इधर उधर देख कर एक नजर उन्हें भी देख लेती थी।

थोड़ी देर बाद वे उठे और जाने लगे। कुछ दूर भीड़ भाड़ से अलग वे गए और वहाँ जो बच्चे गुब्बारे इत्यादि बेच रहे थे उन्हें बुलाकर सारा सामान ऐसे चुपके से दे दिया कि कोई देख ना ले, परोपकार की उनकी ये चोरी मैंने पकड़ ली थी। सच में मन गद्‌गद् हो गया, मेरे मन में भी उन रेहड़ी वालों के लिए करुणा थी कि कैसे इनका घर चलता होगा, लेकिन कोरोना के डर से मैंने कुछ नहीं खरीदा पर उन लोगों ने मुझे बता दिया कि खुद के लिए ना सही दूसरों के लिए तो कुछ खरीद ही सकते हैं। उनको वा 100–200 रु. खर्च करना कोई बड़ी बात नहीं थी लेकिन सोच बेहद बड़ी थी। जिन लोगों से उन्होंने वो सामान खरीदा उनके लिए वो 100–200 रु. बहुत थे और जिन बच्चों को उन्होंने वो सब दिया उनकी खुशियाँ भी तो अपार थी और मुझे ये लगता है कि उस युगल ने भी असीम असीम सुख पाया होगा।

तारांशु में जब भी हम कुछ लिखते हैं या टी.वी. पर आपसे संवाद करते हैं तो इस बात का ध्यान रखते हैं कि कहीं हम उपदेश देने वाले न बन जाएँ क्योंकि ना तो हम इस लायक हैं कि किसी को भी कोई सीख दे सकें ना ही हम इतने बड़े उम्र और अनुभव, दोनों में कि आप सबको कुछ समझा सकें। वैसे भी अब तो मेरे बच्चे जो युवा हैं वो भी मेरी सीख नहीं लेते। हाँ, छोटे थे तो थोड़ी बहुत दादागिरी मैंने भी उन पर की होगी। लेकिन ऐसी घटनाएँ आपसे शेयर करना इसलिए हो जाता है कि आप और हम इसीलिए जुड़े हैं कि हम संवेदनशील हैं। मुझे लगता है कि संवेदनाएँ मनुष्य को बेहतर बनाती हैं लेकिन कई बार मन संवेदनाओं से भरा होकर भी उन्हें अभिव्यक्त करने के रास्ते नहीं ढूँढ़ पाता है। अभी वाले कठिन वक्त में करोड़ों लोग ऐसे होंगे जिन्हें दो वक्त का भोजन कमाने में भी मशक्कत करनी होती होगी। अगर फतेहसागर पर घूम रहें एक चौथाई लोग भी यदि उस युगल जैसा सोच लेते तो उन रेहड़ी खोमचे वालों की हफ्ते भर की कमाई हो जाती।

आप सभी जिनके पास तारांशु आती है वे संवेदनाओं से भरे हैं तभी तो आप तारा से जुड़े हैं लेकिन कई बार हम भूल जाते हैं कि हमारे छोटे–छोटे कृत्य भी लोगों के लिए जीवनदायी हो सकते हैं और इस भूल में, मैं भी शामिल हूँ। लेकिन अब मैं प्रयास करती हूँ कि छोटे–छोटे लोगों की थोड़ी–थोड़ी मदद मुझसे भी हो जाए, जैसे–किसी रेस्टोरेंट में वेटर को टिप देना या कोई सिक्युरिटी गार्ड है उन्हें भी टिप देना। छोटा–मोटा किराने का सामान या रोजमर्रा का सामान बड़ी बड़ी ऑनलाइन कंपनियों से मँगवाने की बजाए आस पास की छोटी–मोटी किराने की दुकान से ले लेना क्योंकि Amazon के Jeff Bezos दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं ही। मेरे दो–चार हजार से उनकी अमीरी ना तो बढ़ेगी ना घटेगी लेकिन इतने से पैसों से मेरे पड़ोस के दुकानदार का एक दिन का खर्च तो निकल ही जाएगा।

तर्क बहुत से हो सकते हैं और एक दो जनों के करने से समाज नहीं बदलता लेकिन एक दो जन के प्रयास से एक दो जन को फायदा तो मिलेगा ही, ये बिलकुल पक्का है। अच्छाई फैलती चली जाती है और कब समाज में परिवर्तन की लहर चल जाए क्या पता?

ईश्वर से एक ही प्रार्थना है कि हमें और आपको संवेदनाओं से लबरेज रखें... बस।

आदर सहित...

– कल्पना गोयल

अपनी गलती तुरन्त स्वीकार करने वाले व्यक्ति सद्‌गुणी होते हैं।

2021 में तारा नेत्रालय में मोतियाबिन्द रोगियों की भीड़

शुभागमन नये दशक का

तारांशु की पिछले अंक में कोरोना से लड़ाई के बारे में बताया था और उस लड़ाई में कुछ तकलीफें भी हुई। जब नये साल और नये दशक में प्रवेश कर रहे हैं तो कुछ अच्छा समाचार लेकर आए हैं। इस समाचार में भी कोरोना से लड़ाई है लेकिन इस बार हम जीत गए। बात नवम्बर के पहले सप्ताह की है। मैं और कल्पना जी फरीदाबाद गए थे वहाँ श्री ओमप्रकाश जी और दीपा जी मल्होत्रा हैं जिन्होंने फरीदाबाद का ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम का भवन दिया है। दीपा जी का स्वास्थ्य कुछ अच्छा नहीं है सो उनसे मिलने गए थे। वहाँ जब थे तो सब ठीक ही लग रहा था। एक सरदार अंकल थे उनको और वृद्धाश्रम के केयरटेकर कमलेश जी को हल्की सी खाँसी थी। जिसके लिए उन दोनों ने कहा कि हमें हमेशा ही होती है। मौसम बदलता है तो और उसी दिन AIIMS दिल्ली की टीम भी आई थी। उन लोगों की स्वास्थ्य जाँच करने तो उन्हें भी सब ठीक ही लगा। 8 नवम्बर को हम उदयपुर आए और एक दो दिन बाद खबर आई कि सरदार अंकल को साँस में दिक्कत हुई और उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है उन्हें AIIMS दिल्ली में भर्ती कराया गया है। मेरे मन में एक विचार आया कि मुझसे गलती तो नहीं हुई क्योंकि थोड़ी खांसी थी तो उसी वक्त उनका कोरोना टेस्ट कराने को कहना था पर शायद इसलिए कहना रह गया कि जब AIIMS के डॉक्टर देख रहे हैं तो भला मेरी क्या बिसात। खैर, जो होना था हो गया सो अब तुरंत ही सबके कोरोना टेस्ट करवाए गए और जैसा अंदेशा था वैसा हो गया। 9 बुजुर्ग कोरोना पॉजिटिव थे। साथ ही आदरणीय ओमप्रकाश जी मल्होत्रा सा. भी और तो और दोनों केयरटेकर कमलेश जी और प्रकाश जी भी। दिल्ली में कोरोना की भारी लहर थी किसी अस्पताल में जगह नहीं थी ऐसे में थोड़ी घबराहट तो हुई पर इस बार पिछले अनुभव से हम थोड़ा तैयार भी थे।

मुझे लगता है कि धीरज बड़ी–से–बड़ी मुसीबत में काम आता है। हमने प्रकाश जी और कमलेश जी को फरीदाबाद के ही कोविड अस्पताल में भर्ती कराया और उदयपुर से नर्स गोविन्द जी और उनके साथ दो जनों को और भेज दिया। सारे बुजुर्ग और मल्होत्रा अंकल ठीक थे उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं थी लेकिन समस्या ये थी कि खाना बनाने वाले और उनको Support करने वाले सब पॉजिटिव थे। ये निर्णय लिया गया कि खाना बाहर से मँगवाया जाए और जो बाईजी हैं वो नाश्ता चाय बना लें। मुश्किल समय था पर अंत सुखद हुआ और इस बार हम बिना नुकसान के निकल गए। सरदार अंकल AIIMS से ठीक होकर आ गए, कमलेश जी प्रकाश जी और सब बुजुर्ग सही हो गए और सबसे बड़ी बात मल्होत्रा साहब जो कि डाइबिटिज के लिए इन्सूलिन भी लेते हैं, वे भी सही हो गए। मुझे लगता है कि वर्ष 2020 जाते जाते हमें ये सबसे बड़ी सौगात दे गया।

अब हम 2021 में प्रवेश कर गए हैं। वैक्सीन को भी अनुमति मिल गई है। उम्मीदें बहुत हैं और लगता है पूरी भी होंगी। सारे तारा नेत्रालय मरीजों से भरे हुए हैं और लगभग 2000 मोतियाबिन्द ऑपरेशन हर माह हो रहे हैं। हमारे डॉक्टर्स खुद भी सावधानी रख कर और अपने साथी स्टॉफ को भी एहतियात बताते हुए ऑपरेशन कर रहे हैं। जब कोई काम अच्छा हो रहा हो और निःशुल्क भी हो तो लोगों का विश्वास अपने आप पर बन जाता है और इसी विश्वास से रोगियों की भीड़ सारे तारा नेत्रालयों में ही रही है। डॉक्टर्स के साथ ही हमारे जो भी साथी हॉस्पीटल व्यवस्थाओं को बना रहे हैं, वे भी धन्यवाद के पात्र हैं।

वृद्धाश्रमों के हमारे बुजुर्ग भी अब शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर हैं और खुश भी हैं कि उन्होंने भी एक महामारी को मात दी है। कुछ नये सदस्य भी हमारे वृद्धाश्रमों को अपना घर बना कर रहने आए हैं।

तृप्ति, गौरी सभी योजनाओं का लाभ भी ऐसे ही हम दे रहे हैं और नये Beneficiary भी हमने जोड़ें हैं।

सबसे बड़ी बात कि हमने नवम्बर से अपने सभी कार्मिकों को पूरा वेतन भी देना शुरू कर दिया है क्योंकि काम भी बहुत हो रहा है और उन्हें भी दिक्कत रही होगी कम मानदेय पाकर।

ये सब बातें आपको बता तो रहा हूँ पर इन सबके लिए धन्यवाद के पात्र आप लोग हैं जिन्होंने एक मुश्किल समय में हमारा साथ दिया। वर्ष 2020 आप सबको भी समर्पित रहेगा जिन्होंने अपनी मुश्किलों में भी 'तारा' को सहेज के रखा, हमने जब कहा कि हमें जरूरत है उसी क्षण आपने हमारा साथ दिया। हम आपसे मिले हों या ना मिले हों हमारे एक मैसेज पर आपने हमें सहयोग दिया कि ''तारा'' संभली रहे।

ऐसा लगता है कि सबसे बुरा वक्त बीत गया। 2021 से नया दशक शुरू हुआ है और ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आप सभी को अच्छा स्वास्थ्य और खूब समृद्धि दे। मन तो आपका बड़ा है ही तभी तो आप उनके लिए देते हैं जिनका आपसे कोई परिचय नहीं है।

नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ

आदर सहित...

– दीपेश मित्तल

अपना घर

तारा संस्थान द्वारा संचालित समस्त आनन्द वृद्धाश्रमों (उदयपुर, फरीदाबाद व प्रयागराज) में देश के विभिन्न प्रातों से आए हुए वृद्धजन निवास करते हैं। वे अलग–अलग भाषा बोलने वाले व अनेक वर्ग आदि से भिन्न होते हुए भी आनन्द वृद्धाश्रम को अपना घर समझते हैं। हर तीज–त्योहार को सब लोग मिलजुल कर मनाते हैं एवं अपनी दिनचर्या भी सभी के साथ बिताते हैं। कभी रसोई में हाथ बँटाना हो, कभी दुर्बल बिस्तर में पड़े साथी को भोजन परोसना, सर्दियों में साथियों के स्वेटर बुनना और किसी को छोटी–मोटी चोट लग जाए तो तुरंत मरहम पट्टी करना और गंभीर रूप से बीमार होने पर अस्पताल साथ जाकर उनकी सेवा सुश्रुषा करना। ये सब गतिविधियाँ उनके दैनिक जीवन में शामिल हैं क्योंकि वे वृद्धाश्रम को अपना घर समझते हैं एवं अन्य बुजुर्गों को अपने परिवार का सदस्य। यहाँ चित्रों में देखिए किस प्रकार आनन्द वृद्धाश्रम को बुजुर्ग अपना घर मानकर किस प्रकार आपसी सहयोग करते हैं :

अपनी साथी के लिए स्वेटर बुनते हुए

एक मित्र दूसरे मित्र की मरहम पट्टी करते हुए

साथी बुजुर्गों को लंच परोसते हुए एक आवासी

बुखार पीड़ित साथिन को पट्टी करते हुए

विपत्ति आए तो धैर्यपूर्वक सहन करें। सम्पत्ति आए तो क्षमावान बनें।

सर्दी के मौसम में पापड़ आदि बनाते हुए

रसोई में मदद

दुर्बल साथी को बिस्तर पर खाना परोसते हुए

भोजन की तैयारी में सहयोग

लॉन में निराई गुड़ाई व पानी पिलाते दो बुजुर्ग

स्टोर रूम में कार्यरत बुजुर्ग

अच्छी पुस्तकों से बढ़कर कोई दूसरा मित्र नहीं।

राजकीय वृद्धाश्रम, उदयपुर के नए आवासी :

हम कभी बस स्टैण्ड पर रातें गुजारते थे, अब अपना घर मिल गया है : श्री बलवंत राय व श्रीमती बसंत राय

मूलतः जामनगर (गुज.) निवासी 63 वर्षीय श्री बलवंत राय व्यास डूंगरपुर (राज. में) प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड हैं। इनकी कोई संतान नहीं है। बलवंत जी का लगभग 6 साल पहले रोड दुर्घटना होने के पश्चात् से वे विकलांग हैं। दुर्घटना से उन्हें लकवा हो गया। चूंकि रिटायर्ड हो गए थे और उनका स्वयं का मकान भी नहीं था एवं शरीर से लाचार हो गए तो पति–पत्नी दोनों बेघर भटकने लगे। पत्नी बसंत राय के दोनों पैरों की हड्डियाँ टूटी हुई हैं एवं वॉकर के सहारे ही चल पाती हैं तो वह भी लगभग विकलांग ही हैं। सो बेघर पति–पत्नी इधर–उधर रात गुजारने और माँग कर पेट भरने की जुगत में लगे रहते थे। कभी बस स्टैंड, कभी रेलवे स्टैंड या फिर कभी किसी मंदिर में रैन गुजार लेते थे। इसी प्रकार एक दिन व्यास दम्पति डूंगरपुर में ही एक मंदिर के बाहर असहाय से बैठे थे तो समाज कल्याण विभाग के एक अधिकारी का वहाँ आना हुआ। उन्होंने इस दम्पति से बातचीत कर इनकी समस्या समझी, उन्हें खाना खिलाया, कुछ पैसे दिए और उनकी ही गाड़ी में बिठा कर व्यास दम्पति को राजकीय वृद्धाश्रम, बलीचा, उदयपुर में रहने का इंतजाम करवा दिया। 6 नवम्बर, 2020 से इस प्रकार से रहने, खाने का सहारा मिल गया। व्यास दम्पति कहते हैं कि अभी–अभी डॉक्टर सा. देखकर गए हैं व दवाइयाँ भी दी हैं। राजकीय वृद्धाश्रम के संचालन की प्रशंसा करते हुए श्रीमती बसंत राय व श्री बलवंत राय व्यास कहते हैं कि यहाँ पर खाना–पीना, रहना व चिकित्सा की भी उत्तम व्यवस्था है।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

वृद्धाश्रमवासी भी दान सहयोग में पीछे नहीं!

उदयपुर के श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रमवासी श्री कालू लाल जी जैन (बाएं) में अपनी बचत में से 51000 रु. नये ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम के लिए दान दिया है।

श्रीमती सुमित्रा जी परिहार (जोधपुर वाले) ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम में भूमि सेवा रत्न में सहयोग राशि 100000 रु. प्रदान किया।

तारा संस्थान उदयपुर के नवीन ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम निर्माण की प्रगति रिपोर्ट

दिनांक 11 जून, 2020 को भूमि पूजन के साथ ही प्रस्तावित नवीन ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम के निर्माण में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। सर्वप्रथम भूमि पूजन उसके पश्चात् नींव डालना और इसी प्रकार पिलर, छत भराई आदि के कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। नीचे के फोटो में देखिए कि अब तक इस भवन के निर्माण में कितनी प्रगति हुई है।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

वृद्धजन सहयोगी "शांति" रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति" रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था" रु. 21,000/-

(आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।)

तारा नेत्रालय :

यहाँ किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई : श्री जोधा पटेल

60 वर्षीय श्री जोधा पटेल को एक डेढ़ वर्ष से दाई आँख से दिखना बन्द हो गया। उनकी बाई आँख से स्पष्ट दिखता है। इसका कारण यह है कि उन्होंने बाई आँख का ऑपरेशन भी 2–3 साल पहले तारा नेत्रालय, उदयपुर से ही करवाया था। इसी वजह से जोधा जी पुनः दाई आँख की समस्या का ईलाज करवाने यहीं आए हैं। जोधा जी का अगले दिन दाई आँख की मोतियाबिन्द का ऑपरेशन हो गया और अब वह उस आँख से भी स्पष्ट देख सकते हैं। श्री जोधा पटेल कहते हैं कि यहाँ दो दिन भर्ती व ईलाज के दौरान खाना–पीना, रहना आदि सब कुछ निःशुल्क था। उन्हें यहाँ किसी प्रकार की परेशानी नहीं आई। न तो ऑपरेशन न ही किसी प्रकार की दवाइयाँ आदि का कोई पैसा लगा। श्री जोधा पटेल कहते हैं कि वे न सिर्फ दानदाताओं के आभारी हैं बल्कि तारा संस्थान व यहाँ के डॉक्टरों व सहयोग स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहेंगे।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

गौरी योजना :

दानदाता मेरे लिए तो भगवान है : श्रीमती चंचल शर्मा

श्रीमती चंचल शर्मा (40 वर्ष) के रिक्शा ड्राईवर पति की 2019 में साइलेंट हार्ट अटैक आने से मृत्यु हो गई। चंचल जी पर अचानक से 2 बच्चों की जिम्मेदारी आ पड़ी। पति थे तब भी कोई विशेष सहारा नहीं था, वह घर की जिम्मेदारियों से बेखबर ही थे। अब तो अकेली, अनपढ़, चंचल पर मुसीबतों का पहाड़ आन पड़ा। किराए का कमरा लेकर इधर–उधर घरों व सिलाई का काम आदि करके गुजारा चला रही थी। अचानक कोरोना का लॉकडाउन आ गया। अब तो दाने–दाने के मोहताज हो गए घर के तीनों लोग। किराया देने की बात तो बहुत दूर रह गई। ऐसी स्थिति में चंचल को उसकी माँ ने अपने घर बुला लिया और बोली जब तक भाई का एक कमरा खाली है तब तक यहीं रहो, भाई की शादी हो जायेगी तो खाली करना पड़ेगा। तो चंचल शर्मा अपने लड़के (12वीं कक्षा में) व बच्ची (द्वितीय वर्ष बी.ए. में) के साथ अपने पीहर ही रह रही है। यहीं अपने लायक कुछ काम आदि करके गुजारा चला रही हैं। लेकिन आय काफी नहीं है। अभी तो खाना गुजारा भी बमुश्किल हो पा रहा है तो 20 वर्षीया लड़की की शादी का समय भी जल्द ही आने वाला है तो रिश्ता कैसे कर पाएगी। तारा संस्थान ने जब सैकण्ड ईयर में पढ़ रही बच्ची से बात की तो बोली कि वह जीवन में पढ़–लिखकर टीचर बनकर माँ को सम्भालेगी। अकेली माँ का संघर्ष उससे देखा नहीं जाता। तारा संस्थान ने चंचल की स्थिति पर गौर करके रु. 1000/– मासिक की सहायता आरम्भ की है। चंचल शर्मा कहती है कि 1000 रु. की मदद भी उसके लिए बहुत बड़ा सहारा है। जो दानदाता मदद कर रहे हैं उनको बहुत–बहुत धन्यवाद, वो तो मेरे लिए भगवान बनकर आए हैं।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

एक झोपड़ी में अकेली रहने वाली पेपू कुंवर को उसके द्वार पर राशन वितरण

पेपू कुंवर का बाल विवाह हो गया था, उसी उम्र में उनके पति की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसके घर में अब कोई नहीं है और उम्र 45 के लगभग हो गई है। एक झोपड़ी में रहती हैं और मजदूरी करके गुजारा चलाती। परिवार व गाँव का किसी प्रकार का कोई सहयोग या सांत्वना नहीं है। इंसान जब अकेला होता है और घर में कोई और नहीं होता तो मन में अनेक तरह के ख्याल आते रहते हैं जैसे बुढ़ापे में कौन ख्याल रखेगा? पति होते तो सब कुछ होता, घर होता, परिवार होता। सब हंसी खुशी रहते, यहाँ तो अकेली जान को कोई पूछने वाला नहीं है ऊपर से बुरे–बुरे ख्याल आते हैं कि बुढ़ापे में बीमार होकर बिस्तर पर पड़े तो आगे क्या होगा। जब से जन्म लिया है तबसे सुख क्या होता है आज तक नहीं देखा। तारा संस्थान द्वारा मासिक राशन व 300 रु. नकद सहायता उनके घर तक पहुँचाती है जिससे उसको अब संतोष है कि किसी के आगे हाथ तो नहीं फैलाना पड़ेगा। पेपू कुंवर तारा संस्थान के दानदाताओं को धन्यवाद अर्पित करती हैं।

तृप्ति योजना के अन्तर्गत एक सुदूर गाँव में
राशन व कम्बल आदि वितरण का एक दृश्य

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

जिसके पास धैर्य है, वह जो कुछ इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है।

परम श्रद्धेय श्री (डॉ.) जे.पी. शर्मा सा. का तारा संस्थान, उदयपुर में आगमन

दिनांक 24 दिसम्बर, 2020 को दिल्ली निवासी समाज सेवी, शिक्षाविद् तथा तारा संस्थान के संरक्षक श्री (डॉ.) जे.पी. शर्मा सा. का उदयपुर आगमन हुआ। उनके संस्थान पधारने पर तारा परिवार द्वारा भावभीना स्वागत किया गया। तत्पश्चात् श्री शर्मा सा. ने तारा नेत्रालय का अवलोकन किया एवं अनेक लाभार्थी मरीजों से बातचीत कर समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं बड़े प्रसन्न हुए। अगले दिन एकादशी पर उन्होंने उनकी (स्व.) धर्मपत्नी के नाम पर संचालित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर के समस्त आवासियों को अपनी धर्मपत्नी की याद में भोजन प्रसाद ग्रहण करवाया। श्री शर्मा की तरफ से वृद्धाश्रम परिसर में एक कल्पवृक्ष भी लगा हुआ है जिसे देखकर वे आनंदित हुए। इसी दिन श्री शर्मा सा. ने राजकीय वृद्धाश्रम बलीचा, उदयपुर का भी दौरा किया। फिर नव निर्माणाधीन ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम का भी अवलोकन किया, इसके बाद समस्त बुजुर्ग आवासियों के साथ सत्संग में भाग लिया। अन्त में उन्होंने नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक श्रीमान् (डॉ.) कैलाश 'मानव' से भी मुलाकात की। नीचे तस्वीरों में देखिए श्री जे.पी. शर्मा सा. के दौरे की कुछ तस्वीरें :

तारा नेत्रालय का निरीक्षण करते श्री शर्मा सा. ('बाएं')

कल्पवृक्ष को निहारते शर्मा सा.

श्री जे.पी. शर्मा सा. की पोती वृद्धाश्रम वासियों को भोजन परोसते हुए

नव निर्माणाधीन ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम की साईट पर

हमारे प्रेरक / दानदाता

श्री श्याम बिहारी जी
भारद्वाज, नि. रतलाम

लगभग 82 वर्षीय श्री भारद्वाज साहब रेलवे विभाग से सेवानिवृत्त हैं। आप एक बार श्रीमान् एन. डी. मुखीजा साहब के साथ तारा संस्थान के दौरे पर आए थे। तारा संस्थान के अवलोकन के पश्चात् संस्थान के कार्यों को देख कर भारद्वाज सा. अति प्रसन्न हुए। उनके अनुसार तारा संस्थान गरीबों व जरूरतमंद लोगों की भलाई के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है तो श्री भारद्वाज सा. ने निश्चय किया कि वे भी तारा संस्थान के माननीय कल्याण कार्यों में निश्चित रूप से सहयोग करेंगे। इस प्रकार वे तारा संस्थान से जुड़े और हमेशा तारा संस्थान के विभिन्न सेवा कार्यों में सहयोग देते रहते हैं। वह एक बार तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम के दौरे पर गए और वहाँ जिस प्रकार वृद्धजनों को समस्त सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं उसे देखकर उन्हें आनंद की अनुभूति हुई। श्रीमान् श्याम बिहारी जी भारद्वाज अन्य लोगों को प्रेरित करते हुए कहते हैं सभी को अपनी इच्छा अनुसार तारा संस्थान के सेवा कार्यों में किसी–न–किसी रूप में दान करना चाहिए।

श्री सुर्य नारायण जी उपाध्याय
स्व. श्रीमती सरोज जी उपाध्याय, नि. रतलाम

67 वर्षीय श्री सूर्य नारायण जी उपाध्याय बैंक से सेवानिवृत्त हैं। सेवाभावी स्वभाव के श्री उपाध्याय जी श्रीमान् ओ.सी. जैन साहब के साथ एक बार तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम के दौरे पर आए। यहाँ की मानवीय कल्याणकारी सेवाओं को देखकर श्री उपाध्याय सा. का मन भी तारा संस्थान से जुड़ने हेतु पक्का हो गया। उन्होंने संस्थान के समस्त सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए निश्चित किया कि वे स्वयं भी प्रति वर्ष एक निश्चित राशि गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा हेतु सहयोग प्रदान करेंगे। उनके अनुसार तारा संस्थान की आनंद वृद्धाश्रम योजना सबसे अच्छी योजनाओं में से एक है। उन्हें अत्यंत प्रसन्नता होती है कि तारा संस्थान किस प्रकार निःसहाय बुजुर्गों की पूर्णतः निःशुल्क सेवा कर रहा है। उन्होंने वृद्धाश्रम के बुजुर्ग लोगों से वार्तालाप की तो पता चला कि वे सब लोग यहां अति प्रसन्न हैं। यह जानकर श्री उपाध्याय जी को संतोष हुआ कि जीवन के इस पड़ाव पर भी इन बुजुर्गों को खाने–पीने, रहने और चिकित्सा आदि की समस्त सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं। श्री उपाध्याय सा. का संदेश है कि तारा संस्थान जिस सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है उसे अपनी इच्छा अनुसार समस्त लोगों को मदद करने का संकल्प लेना चाहिए।

श्री पुखराज जी जैन,
नि. ढोढर, रतलाम

66वर्षीय श्री पुखराज जी जैन ढोढर (रतलाम) के निवासी हैं तथा व्यापार करते हैं। एक बार उनकी धर्म पत्नी श्रीमती पदमा जैन आचार्य श्रीजी के दर्शन करने उदयपुर आए थे तो यहीं पर तारा संस्थान का नाम सुना और वहां पर अवलोकन करने गईं तो संस्थान के कार्यों से उन्हें प्रेरणा मिली एवम पति–पत्नी दोनों तारा संस्थान के सेवा कार्यों से जुड़ गए। श्री जैन कहते हैं कि तारा संस्थान द्वारा गरीब, आदिवासी और जरूरतमंद लोगों की नेत्र चिकित्सा, विधवाओं को मासिक पेंशन तथा बुजुर्गों को राशन वितरण आदि योजनाएँ उन्हें बड़ी अच्छी लगती हैं, विशेषकर तारा नेत्रालय में जो गरीबों के नेत्र मोतियाबिंद के ऑपरेशन होते हैं, वह प्रशंसनीय लगते हैं। पदमा जी का कहना है कि तारा संस्थान पर समस्त कार्य बड़े ही सेवा भाव से संपन्न होते हैं। यह जानकर बड़ा संतोष मिलता है। जैन दंपति के अनुसार जो भी सक्षम लोग हैं अपने अपने सामर्थ्य के अनुसार तारा संस्थान को सहयोग अवश्य करें ताकि अनेकानेक गरीब और जरूरतमंद लोगों का भला हो सके।

श्रीमती दुर्गा जी ग्रोवर, नि. पानीपत (दाएँ से दसूरे)

पानीपत (हरियाणा) निवासी 70 वर्षीया श्रीमती दुर्गा जी ग्रोवर सरकारी उपक्रम एम.टी.एन.एल. से 2011 में सेवानिवृत्त हो गई थी। तत्पश्चात् वे सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में सहयोग हेतु जुड़ गईं। उनके कुछ परिचितों ने तारा संस्थान द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों से उनसे परिचय करवाया। प्रभावित होकर श्रीमती ग्रोवर लगभग 7 वर्ष पहले तारा संस्थान से जुड़ गईं। संस्थान के कार्यों की प्रशंसा करते हुए श्रीमती ग्रोवर कहती है कि इनके साथ जुड़कर वे अपने आपको गौरवान्वित महसूस करती हैं। तारा संस्थान के वृद्धाश्रम की सेवा के बारे उनका मत है कि यह योजना दिल को छू लेने वाली है। वृद्धाश्रम के बुजुर्गों से मिलकर बातचीत कर उनका मन थोड़ा विचलित हो जाता है। परन्तु, यह देखकर खुशी होती है कि कैसे तारा संस्थान इन असहाय बुजुर्गों की सेवा कर रहा है। उन्होंने पिछली 7 वर्षा में अनेक बार सपरिवार तारा संस्थान का दौरा किया है एवं हर बार ऐसा सुखद अनुभव हुआ, जिसको वे शब्दों में बयाँ नहीं कर सकती हैं। श्रीमती दुर्गा जी ग्रोवर अपने परिचितों को संस्थान का विजिट करने की प्रेरणा देती है एवं सहयोग हेतु अपील करती हैं।

क्रोध से सब काम वैसे नहीं बनते, जैसे शांति से बनते है।

04.12.2020

उदयपुर स्थित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम में सर्दी की कुनकुनी धूप में कुछ बुजुर्ग सहेलियाँ अठखेलियाँ करते हुए।

19.12.2020

अग्रवाल समाज द्वारा प्रकाशित वर्ष 2021 के कैलेण्डर का आज तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में विमोचन किया गया। अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में वृद्धाश्रम के सबसे बुजुर्ग वृद्ध श्री बद्रीप्रसाद जी व श्रीमती विमला मेहरा के कर कमलों से विमोचन किया गया। कैलेण्डर की प्रिन्टिंग अग्रवाल प्रिन्टर्स के प्रबन्धक श्री राजकुमार अग्रवाल जी के सौजन्य से की गई। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पदाधिकारी सर्वश्री संजय सिंघल, दिनेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल तथा राजकुमार अग्रवाल, ओमप्रकाश मित्तल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तारा संस्थान के मुख्य कार्यकारी श्री दीपेश मित्तल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन निदेशक (जन–सम्पर्क) श्री विजय सिंह चौहान द्वारा किया गया।

24.12.2020

पिछले दिनों दि. 24 दिसंबर को बीते ज़माने के सदाबहार गायक (स्व.) श्री मोहम्मद रफ़ी के 97वें जन्मदिवस के मौके पर तारा संस्थान द्वारा संचालित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर में एक गीतों भरी शाम का आयोजन किया गया जिसमें अनेक बुजुर्गों ने रफ़ी साहेब के मशहूर गीत गाकर उन्हें श्रद्धांजलि दीं। विशेषकर श्री रामचंद्र कुमावत ने एक–से–एक सुरीले गीत गाकर सबका मन मोह लिया।

19.12.2020

तारा संस्थान उदयपुर द्वारा संचालित सभी वृद्धाश्रमों में नियमित रूप से स्वास्थ्य जाँच की जाती हैं। उदाहरण के लिए, आर. आर. कॉलेज और अस्पताल, उदयपुर के दंत चिकित्सक सरकारी वृद्धाश्रम, बलीचा में आए और सभी निवासियों की जाँच की और उन्हें दंत स्वच्छता पर सलाह दी।

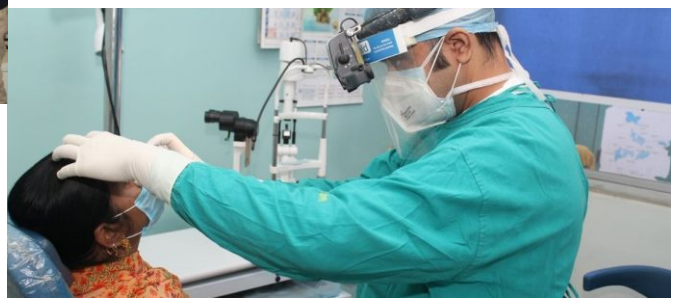

रेटिना (आँखों के पर्दे) की जाँच का निःशुल्क जाँच शिविर

प्रथम सप्ताह फरवरी, 2021 में तारा नेत्रालय उदयपुर में रेटिना (आँखों के पर्दे) का निःशुल्क जाँच शिविर रखा गया है जिसमें जरूरतमंद लोगों को अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क जाँच कर परामर्श दिया जाएगा। कोई भी सज्जन जो आँखों के पर्दे की समस्याओं से पीड़ित हैं वह निम्न नंबर पर संपर्क कर सकते हैं : **95493 99993, 96493 99993**

25.12.2020

पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ''मानव सेवा परमोधर्म'' अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन, बधिर रोगियों की जाँच, श्रवण यंत्र वितरण शिविर आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री पंकज सिंह, विधायक, नोएडा थे।

31.12.2020

तारा संस्थान संचालित द्वारा श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर में दिः 31 दिसंबर को नववर्ष 2021 पूर्व संध्या पर एक रंगारंग भजन संध्या का आयोजन रखा गया जिसमें भजन मंडली के साथ साथ वृद्धाश्रम वासियों ने भी जम कर भाग लिया।

31.12.2020

नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंदिर में दीप जलाते वृद्धाश्रमवासी।

02.01.2021

आदरणीय पद्मश्री श्री कैलाश जी 'मानव' सा. (नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक) का 75वाँ जन्म दिवस 2 जनवरी 2021 को मनाया गया। कार्यक्रम में तारा संस्थान की अध्यक्ष महोदया श्रीमती कल्पना जी, सचिव श्री दीपेश मित्तल एवं तारा संस्थान के अन्य सदस्य उपस्थित थे। श्री दीपेश जी मित्तल द्वारा बाबूजी को ''कौन बनेगा करोड़पति'' खिलाया गया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

(स्व.) श्री मदन लाल जी अग्रवाल

धार्मिक प्रवृत्ति के हमारे लम्बे समय से जुड़े भामाशाह श्री मदन लाल जी अग्रवाल का 20 अगस्त, 2020 को 86 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। वे तारा संस्थान के विभिन्न सेवा कार्यों में गहन रुचि रखते थे। समस्त तारा परिवार उनकी आत्मा की शांति व उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी में सम्बल देने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता है।

(स्व.) श्रीमती प्रेमलता जी

तारा संस्थान के दानदाता श्रीमान लक्ष्मी लाल जी खजवानिया की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती प्रेमलता जी की 6वीं पुण्यतिथि (29 जनवरी, 2021) पर तारा संस्थान परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि।

संस्थान के प्रेरक श्री कुलदीप सिंह जी लाकड़ा के धर्मपत्नी के 21 दिसम्बर, 2020 को निधन हो गया है। इस दुःखद घड़ी में तारा संस्थान ईश्वर से प्रार्थना करता है उनकी आत्मा को शांति व परिवार को सम्बल प्रदान करें।

एक लीडर आशा का व्यापारी होता है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह दिसम्बर – 2020 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती सुषमा जैन – श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks : **NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF**

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Lt. Mr. Pyarelal Bansal - Lt. Mrs. Sharfi Devi
Lt. Mrs. Chandrapati Devi, Bilaspur (C.G.)

Dr. Vijay Meera Patodi - Mrs. Patodi
Hyderabad

Mr. M.V. Shetty - Mrs. P. Vijaya Devi
Mangalore

Mr. Balveer Singh - Mrs. Indu Kachhwaha
Udaipur (Raj.)

Mrs. Anita - Mr. Mukesh Sharma
Indore (MP)

Mrs. Krishna Devi - Mr. Ishwar Singh
Matana, Fatehabad (HR)

Dr. Hemant Kumar - Mrs. Rajesh Sharma
Bundi (Raj.)

Mr. Ram Avatar Ji - Mrs. Ravi Bala Ji
Delhi

Lt. Seth Mr. Kanhaiya Lal - Lt. Mrs. Dakha Bai
Khandelwal, Kota (Raj.)

Kavis
Kosad, Surat (Guj.)

Krishna Jain
Kosad, Surat (Guj.)

Lt. Mr. Darshan Kumar
Sharma, Yamunanagar

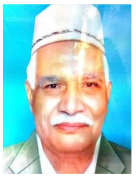

Lt. Mr. D. Mangalchand
Lunkad, Bangalore

'तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया'

श्री प्रीतम सिंह भारद्वाज
पंचकुला (हरि.)

श्रीमती दया रानी - श्री जगदीश चन्द गुप्ता
दिल्ली

श्रीमती शकुन्तला - श्री उमेश शर्मा
दिल्ली

श्रीमती उर्मिला - श्री बंसत लाल खेड़ा
दिल्ली

श्रीमती प्रतिमा चित्रा त्रिपाठी
प्रयागराज (उ.प्र.)

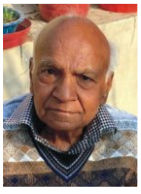

श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल
सहारनपुर (उ.प्र.)

श्री दयानन्द शर्मा
एस.पी. रोड, दिल्ली

श्री कमल कुमार जैन
दिल्ली

श्रीमती योगिता माहेश्वरी
दिल्ली

श्री रामबीर चुघ
पंचकुला (हरि.)

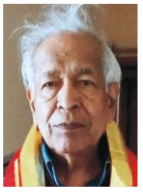

श्री वेद प्रकाश मित्तल
पंचकुला (हरि.)

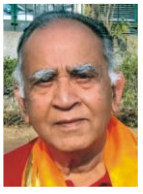

श्री अशोक अग्रवाल
दिल्ली

श्रीमती पुष्पा जैन
जबलपुर (म.प्र.)

Our Preraks हमारे प्रेरक

Mr. Ravi Sankar Arora
H. No. 4/1461, Gali No. 2, Shalimar Park, Shahdra, Delhi-32
Mob. 9810774473

Mrs. Parmod Mehra - Mr. Amrish Mehra
Flat No. 801 A Block Platinum Height, Sec 8 Ramprastha Green Vaishali Ghaziabad (U.P.) 201010, Mob. 8368658437, 9313363757

Mrs. Kumud Sharma
B-30, Maunt Everest Society, Plot No. 17, Sec-9, Dwarka, New Delhi-77
Mob. 9810547565

Mrs. Chander Kwatra
WZ-1881, G Floor, Multani Mohlla, Rani Bagh, Near Krishna Mandir, Delhi-3
Mob. 9971332943

Mr. Raju Agarwal
TA-115, Okhla Main Road, Tughlakabad Extn., New Delhi-19
Mob. 7042188760, 9212116576

Mrs. Harsh Arya
A-140, G. Floor, Sarswati Vihar, Delhi-110034
Mob. 8920727218

Mr. Tej Ram Saini
Plot No. 649, Gali No. 1, Saini Vihar, Mundka, New Delhi- 110041
Mob. 9990925858, 8700460958

संबंधित क्षेत्र में सहयोग देने हेतु आप उपरोक्त फोन पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिसे जीत लिए जाने का भय होता है उसकी हार निश्चित होती है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Dilip Kumar Choubisa
Area Ahmedabad, Ratlam
Mandsaur, Neemuch
Cell : 07821855745

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967 . . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.) 313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 9950462689

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जनवरी - 2021
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छितदिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु.,
03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)

'तारा' के सेवा प्रकल्पों
का कृपया टी.वी.
चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 7:40
से 8:00 बजे

'आस्था भजन'
रात्रि 8:00
से 8:20 बजे

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) ..... A/c No. 004501021965..... IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : SBIN0011406
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491..... IFSC Code : UTIB0000097
HDFC ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : HDFC0001273
Punjab Nationa Bank ..... A/c No. 8743000100004834 ..... IFSC Code : PUNB0874300
PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org